| हल प्रश्न-पत्र<br>सी.बी.एस.ई. | **Topper's Answer**<br>**2019**<br>**कक्षा–X**<br>**Delhi / Outside Delhi Sets** | हिन्दी 'ब' |
|---|---|---|

समय : 3 घण्टे ] [ अधिकतम अंक : 80

**निर्देश :**

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं। **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

## खण्ड–'क'

**1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** 9

शिक्षा व्यक्ति और समाज दोनों के विकास के लिए अनिवार्य है। अज्ञान के अंधकार में जीना तो मृत्यु से भी अधिक कष्टकर है। ज्ञान के प्रकाश से ही जीवन के रहस्य खुलते हैं और हमें अपनी पहचान मिलती है। शिक्षा मनुष्य को मस्तिष्क और देह का उचित प्रयोग करना सिखाती है। वह शिक्षा जो मानव को पाठय-पुस्तकों के ज्ञान के अतिरिक्त कुछ गंभीर चिंतन न दे, व्यर्थ है। यदि हमारी शिक्षा सुसंस्कृत, सभ्य, सच्चरित्र एवं अच्छे नागरिक नहीं बना सकती, तो उससे क्या लाभ? सहृदय, सच्चा परंतु अनपढ़ मज़दूर उस स्नातक से कहीं अच्छा है जो निर्दय और चरित्रहीन है। संसार के सभी वैभव और सुख-साधन भी मनुष्य को तब तक सुखी नहीं बना सकते जब तक कि मनुष्य को आत्मिक ज्ञान न हो। हमारे कुछ अधिकार व उत्तरदायित्व भी हैं। शिक्षित व्यक्ति को अपने उत्तरदायित्वों और कर्तव्यों का उतना ही ध्यान रखना चाहिए जितना कि अधिकारों का, क्योंकि उत्तरदायितव निभाने और कर्तव्य करने के बाद ही हम अधिकार पाने के अधिकारी बनते हैं।

**(क)** अज्ञान में जीवित रहना मृत्यु से अधिक कष्ट है, ऐसा क्यों कहा गया है? 2

उत्तर–

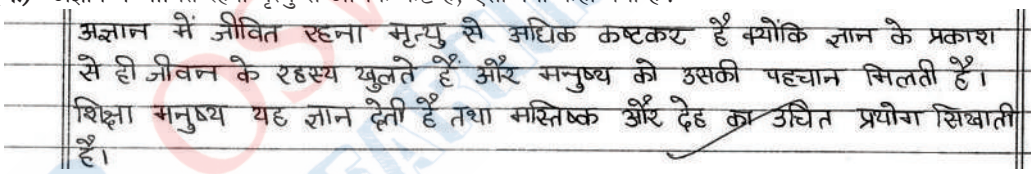


**(ख)** शिक्षा के किन्हीं दो लाभों को समझाइए। 2

उत्तर–

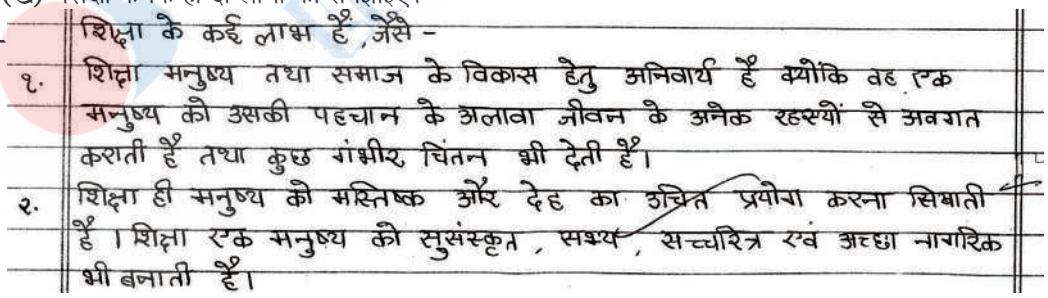


**(ग)** अधिकारों और कर्तव्यों का पारस्परिक संबंध समझाइए। 2

उत्तर–

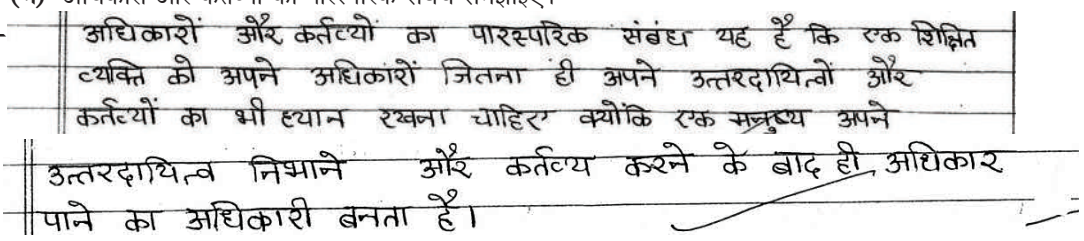


*To know about more useful books for class-10* click here

**(घ)** शिक्षा व्यक्ति और समाज दोनों के विकास के लिए क्यों आवश्यक है? **2**

**उत्तर–** शिक्षा व्यक्ति और समाज दोनों के विकास के लिए आवश्यक है क्योंकि एक व्यक्ति के तौर पर ज्ञान के प्रकाश से ही जीवन के रहस्य खुलते हैं और एक व्यक्ति अपनी पहचान पाता है। एक समाज के लिए शिक्षा अत्यधिक आवश्यक है क्योंकि वह मनुष्य को समाज हेतु सुसंस्कृत, सभ्य, सच्चरित्र एवं अच्छा नागरिक बनाती है तथा मनुष्य को आत्मिक ज्ञान देती है।

**(ङ)** इस गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **1**

**उत्तर–** उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक "शिक्षा और उसके दायित्व" हो सकता है।

**2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** **2×3=6**

लक्ष्मण-रेखा के दास तटों तक जाकर ही फिर जाते हैं,
वर्जित समुद्र में नाव लिए स्वाधीन वीर ही जाते हैं।
आज़ादी है अधिकार खोज की नई राह पर पाने का,
आज़ादी है अधिकार नए द्वीपों का पता लगाने का।
रोटी उसकी, जिसका अनाज, जिसकी ज़मीन, जिसक श्रम है,
अब कौन उलट सकता स्वतंत्रता का सुसिद्ध, सीधा क्रम है।
आज़ादी है अधिकार परिश्रम का पुनीत फल पाने का,
आज़ादी है अधिकार शोषणों की धज्जियाँ उड़ाने का।

**(क)** 'लक्ष्मण रेखा' का तात्पर्य कविता में क्या है? उसके दास क्या नहीं कर पाते? **2**

**(ख)** स्वतंत्रता हमें क्या-क्या अधिकार देती है? **2**

**(ग)** स्वतंत्रता को 'सुसिद्ध सीधा क्रम' क्या है? आशय स्पष्ट कीजिए। **2**

**अथवा**

आओ, हम सब अब हिंदुस्तानी ही रह जाएँ!
पहले एक साथ चलकर समंदर में
हम अपनी-अपनी जातियाँ धो आएँ,
और तोड़ दें अपने-अपने प्रांतों की सीमाएँ
जिससे बंगाली, गुजराती, मराठी, मद्रासी आदि
हमारी सारी संज्ञाएँ मिट जाएँ
और हम सब केवल हिंदुस्तानी ही रह जाएँ!
हममें हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई भी अब कोई न रहे,
हममें हर आदमी अपना धर्म अब बस एक ही कहे
और बस एक ही मंदिर हो हमारा –
यह देश,
चाहो तो उसे मस्जिद कहो, गिरजा या गरुद्वारा,
जिसकी रक्षा में हम जिएँ या मर जाएँ!
आओ, हम सब अब हिंदुस्तानी ही रह जाएँ!

**(क)** समुद्र में जातियाँ धोकर आने से कवि का क्या आशय है?

**उत्तर–** समुद्र में जातियाँ धोकर आने से कवि का यह तात्पर्य है कि सब भारत-वासियों अपनी अलग-अलग जातियाँ तथा अपनी प्रांतों की सीमाओं को भूलना होगा उन्हें हर तरह तथा हर स्थान से निकाल देना होगा तथा बस इतना स्मरण रखना होगा होगा कि हम सब सिर्फ़ हिंदुस्तानी हैं। भले ही भारत देश ने हर जाति को अपनाया ठीक उसी प्रकार हम भी हर जाति भूलकर सिर्फ़ भारत को अपनाएँ।

*To know about more useful books for class-10* click here

**(ख)** आशय समझाइए – 'बस एक ही मंदिर हो हमारा'

उत्तर– 'बस एक ही मंदिर हो हमारा' से कवि का आशय है कि हर भारत के वासी को अपने अलग-अलग धर्मों को भुलाकर एक साथ एक ही धर्म के नीचे रहना होगा और वह धर्म होगा हिंदुस्तानी और इस एक धर्म का बस एक ही मंदिर हो और वह हो हमारी मातृभूमि, हमारा भारत देश। इस मंदिर की रक्षा हेतु हर हिंदुस्तानी सदैव तत्पर रहे।

**(ग)** हमारी अलग-अलग पहचानें क्या हैं? उन्हें एक में कैसे समेटा जा सकता है?

उत्तर– हमारी अलग-अलग पहचानें हैं क्योंकि हमारी मातृभूमि, हमारे देश ने हम संतानों बिना जाति-धर्म की पहचान किए पाला है और हमारी हर आवश्यकता को पूरा किया है।

हमारी अलग-अलग पहचानों को एक में समेटा जा सकता है और वह है हमारे हिंदुस्तानी धर्म में जिसका सिर्फ़ एक मंदिर होगा, यह पूर्ण देश जहाँ पर हर पहचान मिट जाएगी और याद रहेगी सिर्फ़ देशभक्ति।

## खण्ड–'ख'

**3.** 'शब्द' और 'पद' में क्या अंतर है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। **2**

**अथवा**

शब्द के पद बनने पर क्या परिवर्तन होता है? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर– शब्द के पद बनने पर यह परिवर्तन होता है कि उस शब्द की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है तथा वाक्य में प्रयुक्त होकर वह शब्द कोई-न-कोई प्रकार्य अवश्य करता है तथा उस शब्द में कोई-न-कोई रूप-साधक या शब्द-साधक अथवा शून्य प्रत्यय अवश्य लगता है।

उदाहरण –

'लड़का' एक शब्द है।

वाक्य में प्रयुक्त होते ही,

लड़का विद्यालय जाता है।

'लड़का' में शून्य प्रत्यय लग जाता है तथा यह संज्ञा का प्रकार्य कर रहा है और अब यह शब्द न रहकर पद बन गया है।

**4. नीचे लिखे वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों का निर्देशानुसार रूपांतरण कीजिए :** **1 × 3 = 3**

**(क)** जब सूर्योदय हुआ तो चिड़ियाँ चहचहाने लगी। (सरल वाक्य में)

उत्तर– सूर्योदय होते ही चिड़ियाँ चहचहाने लगीं।

**(ख)** वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के जीवन में परिवर्तन आया। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर– जब तताँरा वामीरो से मिला तब उसके जीवन में परिवर्तन आया।

*To know about more useful books for class-10* click here

**(ग)** हम परस्पर सहयोग से रहकर एक-दूसरे का हित करें। (संयुक्त वाक्य में)

**(घ)** नींव कच्ची होने पर मकान कमजोर रहता है। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर— जब नींव कच्ची होती है तब मकान कमजोर रहता है।

**5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों का समास-विग्रह करके समास का नाम लिखिए :** **1 × 2 = 2**

पुराणपुरुष, मदांध, परोपकार

उत्तर—
(क)
(ii) मदांध - मद में अंधा (अधिकरण तत्पुरुष समास)
(iii) परोपकार - पर (दूसरों) पर उपकार (अधिकरण तत्पुरुष समास)

**(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो को समस्त पद में परिवर्तित कर समास का नाम लिखिए** **1 × 2 = 2**

(i) चार मुख हैं जिसके

(ii) कमल जैसे चरण

(iii) कन्या का दान

उत्तर—
(ii) कमल जैसे चरण - चरणकमल (कर्मधारय समास)
(iii) कन्या का दान - कन्यादान (संबंध तत्पुरुष समास)

**6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए—** **1 × 4 = 4**

**(क)** भाई साहब और मैं फेल पास हो गए।

**(ख)** विरासत में मिली चीजों की सँभाल होना चाहिए।

**(ग)** आप जब मिलने आएँ तो फोन कर लेना।

**(घ)** हमने तो घर ही सारा बात बता दिया था।

**(ङ)** लड़का लोग को समझाइए तो वे मान जाएँगे।

उत्तर—
क) भाई साहब फ़ेल और मैं पास हो गया।
ग) आप जब मिलने आएँ तब फ़ोन कर लीजिएगा।
घ) हमने तो घर पहुँचते ही सारी बात बता दी थी।
ङ) लड़कों को समझाएँगे तो वे मान जाएँगे।

**7. किन्हीं दो रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए :** **1 × 2 = 2**

**(क)** वे हर बात में _____ अड़ाते हैं।

उत्तर— वे हर बात में टाँग अड़ाते हैं।

**(ख)** भारतीय सैनिकों ने दुश्मन के _____ छुड़ा दिए।

उत्तर— भारतीय सैनिकों ने दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए।

**(ग)** उसकी लॉटरी क्या खुल गई कि उसके _____ पड़ रहे।

## खण्ड-'ग'

**8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

**(क)** छोटे भाई को बड़े भाई की किन बातों से लघुता का अनुभव हुआ और क्यों? **2**

उत्तर— छोटे भाई को बड़े भाई की बातों से लघुता का अनुभव तब हुआ जब उनके बड़े भाई ने उन्हें बताया कि भले ही वह बड़े भाईसाहब के समकक्ष क्यों न आ जाए परंतु अनुभव ज्ञान में वह उनसे सदैव छोटा रहेगा और किताबी ज्ञान से सर्वोपरि अनुभव ज्ञान है। छोटे भाई को इस बात से लघुता का अनुभव इसलिए हुआ क्योंकि वह समझ गए कि उनका किताबी ज्ञान उन्हें उनके पिताजी जितना अनुभवी नहीं बना सकता ठीक इसी प्रकार वह अनुभव में अपने बड़े भाईसाहब से छोटा ही रहेगा।

**(ख)** सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज ने क्या भूमिका निभाई और कैसे? **2**

*To know about more useful books for class-10* click here

उत्तर— सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका थी क्योंकि मौनुमेंट के नीचे स्त्री समाज ने ही झंडा फहराकर शपथ पढ़ी तथा लाठी पड़ने पर भी अपने स्थान पर अडिग रहीं। उनको गिरफ्तारी का भय नहीं था न ही लाठी की मार का। उनको बस भारत के आंदोलन को आगे बढ़ाना था। इस आंदोलन में 10 स्त्रियाँ गिरफ्तार हुईं तथा लक्ष्य प्राप्त होने के बाद वे धर्मतल्ले के मोड़ पर जुलूस तोड़कर बैठ गईं। इस प्रकार सुभाष बाबू की गिरफ्तारी के बाद स्त्री समाज ने हर जिम्मेदारी को अपने कंधों पर उठाकर आंदोलन को सफल बनाया।

**(ग)** अरब में लश्कर को नूह के नाम से क्यों याद किया जाता है? **1**

**अथवा**

भूत, भविष्य और वर्तमान में किसे सत्य माना गया है? 'झेन की देन' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर— लेखक रवींद्र केलेकर ने स्पर्श के पाठ 'झेन की देन' में वर्तमान को ही सत्य माना है। भूत, भविष्य और वर्तमान में वर्तमान को सत्य माना गया है क्योंकि भूत बीत चुका है तथा भविष्य किसी ने देखा नहीं अर्थात मनुष्य वर्तमान में ही जीता है तथा वही सत्य है।

**9.** बड़े भाईसाहब ने जीवन के अनुभवों और पुस्तकीय ज्ञान में से किसे अच्छा कहा है और क्यों? उनके विचारों पर टिप्पणी भी कीजिए।

**अथवा**

शुद्ध सोने और गिन्नी के सोने में क्या अंतर है? इस प्रसंग में महात्मा गांधी की चर्चा लेखक ने क्यों की है?

उत्तर— हमारी पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के पाठ 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' के लेखक रवींद्र केलेकर के अनुसार शुद्ध सोना, शुद्ध आदर्श की तरह होता है जिसमें किसी भी प्रकार की मिलावट नहीं की जाती है। वहीं दूसरी तरफ गिन्नी का सोना, शुद्ध सोने में मिलाया हुआ तांबा होता है जिस प्रकार शुद्ध आदर्शों में थोड़ी-सी व्यवहारिकता मिलाकर 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' बनते हैं। इस प्रसंग में महात्मा गांधी की चर्चा द्वारा लेखक पाठक को यह बताने चाहते हैं कि वे व्यवहारिकता को शुद्ध आदर्श के स्तर पर लाते थे जैसे कि वे सोने में तांबा नहीं अपितु तांबे में सोना मिलाकर उसकी कीमत बढ़ाते थे। इसी कारण वे देश को आज़ाद करवा पाए अन्यथा हवा में ही उड़ते रहते। उनके सत्याग्रह आंदोलन इसी बात का सबूत हैं कि वे पूर्ण देश का उत्थान करना चाहते थे बिना स्वयं के लाभ के बारे में सोचे जो वह सिर्फ़ व्यवहारिकता की सहायता से कर पाए। इस संसार में व्यवहारवादी लोग सफ़लता प्राप्त करते हैं तथा ऊपर सिर्फ़ स्वयं उठते हैं परंतु आदर्शवादी सबको साथ लेकर ऊपर उठते हैं तथा लोक-कल्याण व समाज कल्याण को समर्पित होते हैं।

**10.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

**(क)** कबीर ने कैसी वाणी बोलने की सलाह दी है? उसके क्या-क्या लाभ बताए गए हैं? **2**

उत्तर— कबीर ने सदैव मीठी वाणी बोलने की सलाह दी है क्योंकि मीठी वाणी बोलने के अनेक लाभ होते हैं जैसे कि बोलने व सुनने वाले को सुख व आनंद की प्राप्ति होती है तथा मीठी वाणी बोलने वाले का तन भी सकारात्मकता व शीतलता प्राप्त करता है।

**(ख)** 'मनुष्यता' कविता में उदार व्यक्ति की क्या पहचान बताई गई है और उसके लिए क्या भाव व्यक्त किए गए हैं? **2**

उत्तर— 'मनुष्यता' कविता में उदार व्यक्ति की यही पहचान बताई गई है कि उसकी सदा सुमृत्यु होती है, वह सबका हितैषी होता है, उसका बखान सरस्वती किताबों के रूप में करती है तथा धरती भी उनसे कृतार्थ भाव मानती है। इन व्यक्तियों के लिए कविता में आदर, सहानुभूति, दया, सत्यवादिता, बलिदानी आदि भाव व्यक्त किए गए हैं।

*To know about more useful books for class-10* click here

**(ग)** 'आमंत्रण' कविता में कवि सहायक के न मिलने पर क्या प्रार्थना करता है? **1**

उत्तर– 'आत्मत्राण' कविता में कवि रवींद्रनाथ ठाकुर सहायक के न मिलने पर ईश्वर से बस इतनी प्रार्थना करते हैं कि उनका आत्मबल तथा पुरुषत्व कदापि न हिले और वे उस अवस्था में भी अडिग व अचल रहें।

**अथवा**

"पर्वत प्रदेश में पावस" में शाल वृक्ष के भयभीत होकर धरती में धँसने की बात क्यों कही गई है?

**11.** कविता के आधार पर पर्वतीय प्रदेश में वर्षा का सुंदर चित्रण अपने शब्दों में कीजिए। **5**

उत्तर– हमारी पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के पाठ 'पर्वत प्रदेश में पावस' में कवि सुमित्रानंदन पंत ने पर्वतीय प्रदेश में वर्षा का अत्यंत सुंदर व मनमोहक चित्रण करते हुए कहा है कि वर्षा ऋतु में पर्वत प्रदेश में प्रकृति पल-पल अपना वेष बदल रही थी, कभी तेज़ वर्षा तो कभी तेज़ धूप हो जा रही थी। इन सब के बीच अनेक मेखलाकार पहाड़ों से बहता हुआ जल उनके चरणों में दर्पण रूपी तालाब बना दे रहा था जहाँ से सहस्र सुमन ऐसे प्रतीत हो रहे थे कि पर्वतों के नेत्र बनकर वे उस दर्पण में स्वयं का प्रतिबिंब देख रहे हैं। उन पर्वतों से बहते हुए झरने मोती की लड़ियों से प्रतीत हो रहे थे। साथ ही चारों तरफ़ बिजली पारे की तरह अपने पर फैला रही थी। पर्वतों पर उपस्थित वृक्ष ऊँची महत्वकांक्षाओं को दिखा रहे थे तथा कई शाल के वृक्ष मिट्टी में टूटने के भय से उसमें धँस चुके थे। चारों तरफ़ बरसते जल के कारण जो धुआँ उठ रहा था उससे ऐसा लग रहा था मानो पर्वत प्रदेश जल रहा है। चारों तरफ़ के सन्नाटे में सिर्फ़ बहते हुए झरनों की आवाज़ ही शेष रह गई थी। इस प्रकार ऐसा प्रतीत हो रहा था कि इंद्र देव अपनी सवारी पर विचर-विचर जादुई खेल दिखा रहे हों।

**अथवा**

'मनुष्यता' कविता में कवि ने किन मानवीय गुणों की चर्चा की है? उन पर अपने विचार दीजिए।

**12.** 'सपनों के-से दिन' संस्मरण में पी.टी. साहब के स्वभाव की विशेषताएँ सोदाहरण लिखिए। **5**

**अथवा**

"अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की अच्छी समझ रखते हैं।" कहानी के आधार पर सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

उत्तर– "अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की अच्छी समझ रखते हैं" हमारी पूरक पुस्तक 'संचयन' के पाठ "हरिहर काका" में लेखक मिथिलेश्वर ने उपर्युक्त पंक्तियों को बखूबी दर्शाया है। हरिहर काका के पास पंद्रह बीघे ज़मीन थी। उस ज़मीन पर ठाकुरबारी के महंत जी तथा उनके तीन भाईयों की बराबर नज़र थी। उन दोनों की तरफ़ से हरिहर काका को ज़मीन उनके नाम करने का प्रस्ताव कई बार आया परंतु उन्होंने उसे कदापि नहीं स्वीकारा क्योंकि अनपढ़ होते हुए भी उन्हें अनुभव ज्ञान बखूबी था। वे जानते थे कि अगर उन्होंने अपनी ज़मीन किसी के भी नाम की तो उसके बाद वे उन्हें पूछना बंद कर देंगे। उन्होंने इसका प्रत्यक्ष उदाहरण अपने गाँव में ही रमेसर की विधवा के साथ भी देखा था जिनके

*To know about more useful books for class-10* click here

पुत्रों ने उनसे ज़मीन अपने नाम करवाने के बाद उन्हें दूध की मक्खी की भाँति निकाल फेंका था। इसी कारण दोनो पक्षों द्वारा पिटने के बाद भी उन्होंने अपनी ज़मीन किसी के नाम नहीं की। यह दर्शाता है कि एक अनपढ़ व्यक्ति भी समाज में होते नकारात्मक बदलावों को अपने अनुभव द्वारा समझ सकता है तथा समाज की कुनीतियों से भी बचा रह सकता है। यही कारण है कि हरिहर काका ने अपने जीते जी कितने ही दबाव के बावजूद किसी के नाम नहीं की क्योंकि उन्हें अपने अनुभव ज्ञान से दुनिया की अच्छी समझ हो चुकी थी जिस कारण वह अचरज में भी थे तथा असमंजस में भी कि समाज किस ओर जा रहा है।

## खण्ड-'घ'

**13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :** 5

**(क)** पुस्तक की आत्मकथा
- मै हूँ
- मेरी विशेष बातें
- क्या सोचते हैं लोग मेरे बारे में

**(ख)** समय का सदुपयोग
- क्यों
- कैसे
- दुरुपयोग के ख़तरे

**(ग)** प्यारा देश न्यारा देश
- देश के बारे में
- प्यारा क्यों ?
- न्यारा क्यों ?

उत्तर—

समय का सदुपयोग

समय बहुत ही मूल्यवान वस्तु है और समय किसी के लिए नहीं रुकता। जो वक्त रहते समय का सदुपयोग नहीं करता वह जीवन में सदैव पछताता है। समय का सदुपयोग करने वाला इंसान जीवन में सदा उन्नति करता है। समय का सदुपयोग कई प्रकार से किया जा सकता है वक्त रहते अपना कार्य पूर्ण करके, मोबाइल, टी.वी. में समय व्यर्थ न करके। एक मनुष्य का धर्म उसका कर्म होता है जिसको उसे समय के अंतर्गत ही करना होता है। मनुष्य अगर अपना ध्यान सिर्फ़ कर्म पर केंद्रित करता है तो वह समय का सदुपयोग करता है। समय के दुरुपयोग के भी अनेक खतरे हैं जैसे- इस समय के दुरुपयोग से मनुष्य का पूर्ण जीवन समाप्त हो सकता है, मनुष्य के स्वास्थ्य को भी इससे बहुत बड़ा खतरा है जैसे अधिक समय मोबाईल पर व्यतीत करने से और अपना कार्य पूर्ण न करने से मनुष्य की आँखों को नुकसान पहुँचता है। एक समय-साइणी का पालन न करके मनुष्य अपना कोई भी कार्य समय पर खत्म नहीं कर पाता और असफ़लता प्राप्त करता है। जो समय का आदर व सदुपयोग करता है वह जीवन नई ऊँचाइयों को प्राप्त करता है।

*To know about more useful books for class-10* click here

**14.** विद्यालय में अनजाने ही आप से जो चूक हुई उसके कारण आपको दंड दिया गया है। तब से आपकी माँ आप से बोल नहीं रही है। अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। **5**

**अथवा**

आवारा कुत्तों के कारण आपकी बस्ती में जो समस्या आ गई है उसका विवरण देते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को शीघ्र उपाय करने का अनुरोध करते हुए पत्र लिखिए।

**उत्तर–**

औपचारिक पत्र लेखन –

परीक्षा भवन
अ०ब०स० विद्यालय
क०ख०ग० नगर

१६ मार्च, २०१६

स्वास्थ्य अधिकारी
नगर निगम
क०ख०ग० नगर

विषय - बस्ती में आवारा कुत्तों समस्या के निवारण हेतु पत्र।

मान्यवर,

मैं क०ख०ग० नगर की च०छ०ज० बस्ती का निवासी हूँ तथा आवारा कुत्तों के कारण हो रही समस्याओं से आपको अवगत करना चाहता हूँ।

हमारी बस्ती में आए दिन कोई-न-कोई व्यक्ति आवारा कुत्तों का शिकार हो रहा है तथा उन्होंने हमारी बस्ती की एक बच्ची को काटकर हत्या भी कर दी है। वे हर रोज हमारी बस्ती में कूड़ा फैला देते हैं तथा उनका मल-मूत्र नई बीमारियों का कारण बन रहा है।

अतः मेरा आपसे यह अनुरोध है कि जल्द-से-जल्द इन आवारा कुत्तों हेतु नए आवास हेतु कार्य आरंभ किया जाए तथा इनसे प्रभावित लोगों को चिकित्सा हेतु धन-राशि प्रदान की जाए।

धन्यवाद।
भवदीय,
ट०ठ०ड

**15.** आप विद्यालय की छात्र कल्याण-परिषद् के सचिव हैं। विद्यालय में होने वाले वार्षिक-उत्सव में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के नाम आमंत्रित करने के लिए 25-30 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए। **5**

**अथवा**

अपने मोहल्ले की सुधार-समिति के सचिव की ओर से 'स्वच्छता पखवाड़ा' कार्यक्रमों में भाग लेने के इच्छुक लोगों के लिए 25-30 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए।

**उत्तर–**

सूचना
अ०ब०स० विद्यालय
क०ख०ग० नगर

१६ मार्च, २०१६

*To know about more useful books for class-10* click here

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विद्यालय "वार्षिकोत्सव - २०१९" मनाएगा जिसकी जानकारी निम्नलिखित है -
तिथि - ३१ मार्च, २०१९
समय - प्रातः ८ बजे से सायं ६ बजे तक
स्थान - खेल मैदान, अ०ब०स० विद्यालय, क०ख०ग० नगर
इस कार्यक्रम में नृत्य, संगीत, कला आदि कलाओं में भाग लेने हेतु इच्छुक छात्र अपना नाम खेल मैदान में सचिव को लिखवाएँ।
ट०ठ०ड
सचित
छात्र कल्याण - परिषद्

**16.** किसी नई फ़िल्म को देखने के बाद लौटे दो मित्रों के बीच के संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **5**

**अथवा**

अपने विद्यालय के नाट्य उत्सव के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करने के लिए एक प्रतिष्ठित नाटककार को आमंत्रित करने के लिए आप उनसे मिलते हैं। आप दोनों के बीच हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

**उत्तर–**

शम - यह तो अच्छी बात है। वैसे इस चलचित्र में दहेज प्रथा के बारे में बताया गया है। क्या तुम इस प्रथा में विश्वास रखते हो?

रमेश - बिल्कुल नहीं मित्र। एक बेटी ही उसके माता-पिता का दिया सबसे बड़ा दहेज होती है। उससे अधिक किसी इंसान को क्या चाहिए?

शम - बिल्कुल उचित कहा मित्र परंतु मुझे अफ़सोस इस बात का है कि समाज में इसका प्रचलन आज भी है।

रमेश - मित्र, कई बार तो मैं यह सोचता हूँ कि इन चलचित्रों का मकसद तब तक अधूरा रहेगा जब तक समाज इससे बदलाव नहीं आएगा।

शम - चलो मित्र, अब हम ही यह पहल करेंगे तथा कल से और छात्रों सहित अध्यापिका की आज्ञा लेकर सबको अवगत करने चलेंगे और शुरुआत करेंगे अपनी बस्ती से।

शम - यह तो अच्छी बात है। वैसे इस चलचित्र में दहेज प्रथा के बारे में बताया गया है। क्या तुम इस प्रथा में विश्वास रखते हो?

रमेश - बिल्कुल नहीं मित्र। एक बेटी ही उसके माता-पिता का दिया सबसे बड़ा दहेज होती है। उससे अधिक किसी इंसान को क्या चाहिए?

*To know about more useful books for class-10* click here

राम- बिल्कुल उचित कहा मित्र परंतु मुझे अफ़सोस इस बात का है कि समाज में इसका प्रचलन आज भी है।

रमेश – मित्र, कई बार तो मैं यह सोचता हूँ कि इन चलचित्रों का मकसद तब तक अधूरा रहेगा जब तक समाज इससे बदलाव नहीं आएगा।

राम - चलो मित्र, अब हम ही यह पहल करेंगे तथा कल से और छात्रों सहित अध्यापिका की आज्ञा लेकर सबको अवगत करने चलेंगे और शुरुआत करेंगे अपनी बस्ती से।

रमेश - बिल्कुल ठीक कहा। तो मित्र अब कल मिलते हैं हम एक नए उत्साह तथा नई उमंग से। शुभ रात्रि।

**17.** आपके पिता अपना पुराना मकान बेचना चाहते हैं। मकान का विवरण देते हुए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन का तैयार कीजिए। **5**

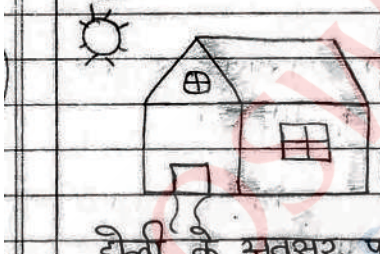

**अथवा**

आप अपने घर का पुराना सोफा-सेट तथा अन्य फर्नीचर बेचना चाहते हैं। उसकी जानकारी देते हुए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

**उत्तर–** विज्ञापन लेखन –




❑❑

*To know about more useful books for class-10* click here